

प्रधानमंत्री कृषि सचिवाई योजना

प्रलिस के लयल:

कृषल से संबंघतल योजनारूँ, केंद्रीय कृषेत्र की योजनल, परशुदध सचलई परणाली, तवरतल सचलई ललभ कर्यकरम, हर खेत को पानी, परशुदध सचलई परणाली

मेन्स के लयल:

प्रधानमंत्री कसलन सचलई योजनल, इसके उददेश्य और महत्त्व

चरचल में कर्यौ?

हलल ही में [आरथकल मलमलूँ की मंत्रमिडलीय समतल](#) (CCEA) ने 93,068 करोड रुपए के परवलय के सलथ वरष 2026 तक प्रधानमंत्री कृषल सचलई योजनल (Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojna- PMKSY) के वसुतलर को मंजूरी दी ।

सरकर ने तवरतल सचलई ललभ कर्यकरम (AIBP), हर खेत को पानी (HKKP) और PMKSY के वलटरशेड वकलस घटकूँ को चलर वरष (2021-22 से 2025-26) तक के लयल मंजूरी दे दी है ।

प्रमुख बलदु

प्रधानमंत्री कृषल सचलई योजनल के बलरें में:

- यह वरष 2015 में शुरु की गई एक [केंदर परलयोजतल योजनल](#) (कोर योजनल) है । केंदर-रलज्य की हसुसेदलरी 75:25 प्रतशत में होगी । उत्तर-पूरवी कृषेत्र और पहाडी रलज्यूँ के मलमले में यह अनुपलत 90:10 रहेगल ।
 - इससे डलई ललख [अनुसूचतल जलतल](#) और दो ललख [अनुसूचतल जनजलतल](#) के कसलनूँ सहतल ललगभग 22 ललख कसलनूँ को ललभ होगल ।
- जल शकर्तल मंत्रललय ने वरष 2020 में PMKSY के तहत परलयोजनलूँ के घटकूँ की [जलयो-टैगल](#) हेतु एक मोबलडल एप्लकैशन लॉन्च कयल ।
- इसके तीन मुखय घटक हैं- तवरतल सचलई ललभ कर्यकरम (AIBP), हर खेत को पानी (HKKP) और वलटरशेड डेवलपमेंट ।
 - वरष 1996 में AIBP को रलज्यूँ की संसलधन कृषमतलूँ से अधकल सचलई परलयोजनलूँ के कर्यलनवयन में तेजी ललने के उददेश्य से शुरु कयल गयल थल ।
 - HKKP कल उददेश्य लघु सचलई के मलधयम से नए जल स्रोत नरलमतल करनल है । जल नकलयूँ की मरममत, बहलली और नवीनीकरण, पारंपरकल जल स्रोतूँ की वहन कृषमतल को मजबूत करनल, वरषल जल संचयन संरचनलूँ कल नरलमण ।
 - इसके उप घटकूँ में शलमलल हैं:** कलन कृषेत्र वकलस (CAD), भूतल लघु सचलई (SMI), जल नकलयूँ की मरममत, नवीनीकरण और बहलली (RRR), भूजल वकलस ।
 - वलटरशेड डेवलपमेंट में अपवलह जल कल प्रभलवी प्रबंधन और मडलटी और नमी संरकृषण गतवलधलयूँ में सुधलर जैसे करलरजल कृषेत्र उपचलर, डुरेनेज़ ललइन 5 टरीटमेंट, वरषल जल संचयन, इन-सीटू नमी संरकृषण और वलटरशेड के आधलर पर अन्य संबदध गतवलधलयूँ शलमलल हैं ।

उददेश्य:

- कृषेत्रीय सुतर पर सचलई में नवलश कल अभसलरण,
- सुनशलचतल सचलई के तहत खेती योग्य कृषेत्र कल वसुतलर करनल (हर खेत को पानी),
- पलनी की बरबलदी को कम करने के लयल ऑन-फलरम जल उपयोग दकृषतल में सुधलर,
- 'जलभूत' (Aquifers) के पुनरभरण को बढलने के लयल और पेरी-अरबन कृषल के लयल उपचलरतल नगरपलकल आधलरतल पलनी के पुनः उपयोग की वयवहलरयतल की खोज करके स्थलयी जल संरकृषण प्रथलूँ को शुरु करनल और एक [परशुदध सचलई परणाली](#) में अधकल-से-अधकल नजीी नवलश को आकरषतल करनल ।
 - 'जलभूत' भू-जल से संतृप्त चट्टलन यल तलछट कल एक नकलय है । वरषल कल जल मडलटी के रसलव के करण भूजल एक जलभूत में प्रवेश करतल है । यह जलभूत के मलधयम से आगे बढतल है और झरनूँ तथल कुलूँ के मलधयम से फलरल से सतह पर आ जलतल है ।
 - 'पेरी-अरबन कृषल' शहर के नज़दीक कृषल इकलर्यूँ को संदरभतल करती है, जो सबजलयूँ और अन्य बलगवलनी को वकलसतल करने, मुरगलयूँ तथल अन्य पशुलूँ को पललने और दूध तथल अंडे कल उत्पादन करने के लयल गहन अरदध यल पूरी तरह से वलणजलयकल खेतूँ कल

संचालन करती हैं।

- परशुद्ध सचिाई एक नवीन तकनीक है, जो जल के बेहतर उपयोग से संबंधित है और किसानों को कम-से-कम पानी में उच्च स्तर की फसल उपज प्राप्त करने में मदद करती है।

■ नरूपण: इसे नमिनलखिति योजनाओं को मललकर तैयार कथल गयल थल:

- तवरति सचिाई ललभ कर्यकरम (AIBP)- जल संसलधन, नदी वकलस और गंगल संरकषण मंत्रललय (अब जल शकृतमंत्रललय)।
- एकीकृत वलटरशेड परबंधन कर्यकरम (IWMP)- भूमल संसलधन वलभलग, ग्रलमीण वकलस मंत्रललय।
- ऑन-फारम जल परबंधन (OFWM)- कृषल और सहकरलतल वलभलग (DAC)।

■ कर्यलनवयन: रलज्य सचिाई योजनल और ज़लल सचिाई योजनल के मलधयम से वकलेंदरीकृत कर्यलनवयन।

सुरोत: इंडयलन एकसपरस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pradhan-mantri-krishti-sinchayee-yojna>

